

Ferdinando Frega – Nando the Scribe

TWO LIVES. ONE STORY.



Gillettenarrative.com

दो ज़िंदगियाँ। एक जिलेट कहानी।

जिलेट ऑडियो — नांदो, लेखक — gillettenarrative.com

मेरी सुबह हमेशा एक ही तरह शुरू होती है: मैं क्रिस्मत का शुक्रिया अदा करता हूँ कि उसने मेरा सामाजिक अनुबंध एक दिन और बढ़ा दिया, और मुझे वह कहते रहने दिया जो मैं सोचता हूँ — यह अच्छी तरह तसल्ली करके कि न मेरी पत्नी कहीं आसपास है, न, जो और भी बुरा होता, मेरी बेटी।

सबसे पहले जो काम मैं करता हूँ, उनमें एक है ईमेल देखना। फिर साइट पर एक सरसरी नज़र, उन पाठकों पर जो यूँ ही टहलने चले आए। फिर मेरी नज़र वेब की ओर जाती है — यह देखने कि वेब की तीन औरतों ने आज gillettenarrative.com के साथ कैसा सलूक करने का फ़ैसला किया है।

देखने में यह एक आसान-सी कसरत लगती है। है नहीं।

हमलों या झगड़ों की वजह से नहीं — वे तो परिवार का ही विशेषाधिकार बने हुए हैं। बल्कि इस वजह से कि आपको कैसे समझा जाता है। कैसे देखा जाता है। और आज ऐसा ही एक दिन था।

हमें फ़ौरन साफ़ करना पड़ा कि हमारा पी एंड जी से कोई नाता नहीं — वह कंपनी जिसके पास कई ब्रांड हैं, माँ जिलेट समेत — और यह कि हम न डिटर्जेंट बेचते हैं, न ब्लीच। हम कुछ भी नहीं बेचते। हम यहाँ सिर्फ़ लिखने और द जिलेट कंपनी के भीतर बिताए 40 जमा 18 बरसों की कहानी सुनाने के लिए हैं, भीतर से, उन्हीं की ज़बानी जिन्होंने इसे जिया।

और हाँ — मुझे आपके मन में उठता सवाल दिख रहा है: और उस मुफ़्त विज्ञापन का क्या जो पी एंड जी को मिलता है? ब्रांड की विज़िबिलिटी, तिमाही इंप्रेशन, शेयर का ऑप्टिमाइज़ेशन?

अगर मैंने उनके आँकड़े हिला दिए हों, तो मुझे खुशी होगी। वह भी मुफ़्त है।

एक हाथी की पुरानी कहानी है — ताक़तवर, भारी-भरकम, जिसे कोई छू न सके — जिसके पैर में काँटा चुभ गया। किसी में उसकी मदद करने की हिम्मत नहीं थी। किसी में नहीं, सिवाय चूहे के।

मैं कौन हूँ?

बस नांदो।

चूहा।

फर्दिनांदो